



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 11, 1986/माघ 22, 1907

No. 45]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 11, 1986/MAGHA 22, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1986

आदेश

का. आ. 47 (अ)/18कक/आई. डी. आर ए./86.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 617 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./77, तारीख 12, अगस्त, 1977 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स इंडोर टेक्सटाईल लिमिटेड, उज्जैन, मध्य प्रदेश नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक के अधीन राजपत्र में उसके प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था और उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए मध्य प्रदेश स्टेट टेक्सटाईल कारपोरेशन लिमिटेड को प्राधिकृत किया गया था;

और उक्त आदेश की अवधि आदेश का. आ. सं. 566 (अ)/18कक/आई डी आर ए/82, तारीख 11 अगस्त, 1982; का. आ. 163 (अ)/18कक/आई डी आर ए/83, तारीख 9 फरवरी, 1983; का. आ. 566 (अ)/18कक/आई डी आर ए/83, तारीख 9 अगस्त, 1983; का. आ. 63 (अ)/18कक/आई डी आर ए/84, तारीख 10 फरवरी, 1984; का. आ. 592 (अ)/18कक/आई डी आर ए/

84, तारीख 10 अगस्त, 1984, का. आ. 105 (अ)/18कक/आई डी आर ए/85, तारीख 8 फरवरी, 1985, और का. आ. 597 (अ)/18कक/आई डी आर ए/85, तारीख 8 अगस्त, 1985 द्वारा 11 अगस्त, 1985 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम 11 अप्रैल, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, दो मास की और अवधि के लिए मध्य प्रदेश स्टेट टेक्सटाईल कारपोरेशन के प्रबंध के अधीन बना रहना चाहिए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 11 अप्रैल, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, दो मास की और अवधि के लिए प्रयोग में बना रहेगा।

[का. सं. 3 (1)/81-सी यू. एस]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 11th February, 1986

ORDER

S.O. 47(E)/18AA/IDRA/86.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry (Department of Industrial Development)

1540 GI/85

(1)

No. S.O. 617(E)|18AA|IDRA|77, dated the 12th August, 1977 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the Industrial undertaking known as Messrs Indore Textile Limited, Ujjain, Madhya Pradesh, was taken over under Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years commencing from the date of its publication in the Official Gazette, and the Madhya Pradesh, State Textile Corporation Limited was authorised to take over the management of the said Industrial Undertaking;

And, whereas, the duration of the said Order was extended upto and inclusive of the 11th August, 1985 vide Orders No. S.O. 566(E)|18AA|IDRA|82, dated the 11th August, 1982, S.O. 103(E)|18AA|IDRA|83, dated the 9th February, 1983 S.O. 566(E)|18AA|IDRA|83, dated the 9th August, 1983, S.O. 83(E)|18AA|IDRA|84, dated the 10th February, 1984, S.O. 592(E)|18AA|IDRA|84, dated the 10th August, 1984, S.O. 105(E)|18AA|IDRA|85, dated the 8th August, 1985;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that said industrial undertaking should continue under the management of the Madhya Pradesh State Textile Corporation for the period of two months upto and inclusive of the 11th April, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of two months upto and inclusive of 11th April, 1986.

[F. No. 3(1)|81-CUS]

आदेश

का. आ. 48 (अ)/18 चख/आई डी आर ए/86.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का आ. 105 (अ)/118 चख/1 आई. डी. आर. ए/78, तारीख 17 फरवरी, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18वख की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, संपत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनाओं, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखनों का (उनसे मिला जो वेकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूति दायित्वों से संबंधित है) जिनका संबंध इंदोर टेक्सटाइल्स लिमिटेड, उज्जैन, मध्य प्रदेश नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कंपनी को लागू हों, प्रवर्तन ऐसी तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए निलंबित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निलंबित रहेंगे।

और उक्त आदेश की अवधि आदेश का. आ. सं. 79 (अ)/18 चख/आई. डी. आर. ए./80, तारीख 8 फरवरी, 1980; का. आ. 95 (अ)/18 चख/आई. डी. आई. ए/81, तारीख

1 फरवरी, 1981; का. आ. सं. 31 (अ) 18वख/आई. डी. आर. ए. 82, तारीख 15 फरवरी, 1982, का. आ. सं. 507 (अ)/15 चख/आई. डी. आर. ए. 83, तारीख 11 फरवरी, 1983, का. आ. सं. 101 (अ)/15 चख/आई. डी. आर. ए. 83, तारीख 9 फरवरी, 1983, का. आ. सं. 567 (अ) 18वख/आई. डी. आर. ए. 83, तारीख 9 अगस्त, 1983 का. आ. सं. 34 (अ)/18 चख/आई. डी. आर. ए. 84 तारीख 10 फरवरी, 1984, का. आ. सं. 593 (अ) 18वख/आई. डी. आर. ए. 84, तारीख 10 अगस्त, 1984 का. आ. सं. 106 (अ)/18 चख/आई. डी. आर. ए. 85, तारीख 5 फरवरी, 1985 और का. आ. सं. 598 (अ) 18वख/आई. डी. आर. ए. 85, तारीख 8 अगस्त, 1985 द्वारा, सन-पंचदश पर, 11 फरवरी, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है वडा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 16 फरवरी, 1986 तक की, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए वडा दी जाए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (अ) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि 16 फरवरी, 1986 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ावो है।

[का. सं. 3 (1)/81 से. य. एस]

ए. पी. सरवन, पृथक् सचिव

ORDER

S.O. 48(E)|18FB|IDRA|86—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 105(E)|18FB|IDRA 78, dated the 17th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Indore-Textiles Limited Ujjain, Madhya Pradesh, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the rights, privileges, obligations, and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the duration of the said Order was extended from time to time upto and inclusive of the 11th February, 1986 by the Order No. S.O. 79(E)|18FB|IDRA|79, dated the 7th February, 1979 No. S.O. 89(E)|18FB|IDRA|80, dated the 8th February, 1980 No. S.O. 95(E)|18FB|IDRA|81, dated the 13th February, 1981 No. S.O. 31(E)|18FB|IDRA|82, dated the 16th February, 1982 No. S.O. 567(E)|18FB|IDRA|82, dated the 11th August, 1982, No. S.O. 104(E)|18FB|IDRA|83, dated the 9th February, 1983, No. S.O. 567(E)|18FB|IDRA|83, dated the

9th August, 1983, No. S.O. 84(E)|18FB|IDRA|84, dated the 10th February, 1984, No. S.O. 593(E)|18FB|IDRA|84, dated the 10th August, 1984, S.O. 106(E)|18FB|IDRA|85, dated the 8th February, 1985 and S.O. 598(E)|18FB|IDRA|85, dated the 8th August, 1985;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 16th February, 1986.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 16th February, 1986.

[File No. 3(1)|81-CUS]
S. P. SARWAN, Jt. Secy.

